B.A. (Honours) Examination 2018
Semester-III (CBCS)
Hindi
Course : CC-7
(हिन्दी कहानी)

Time : 3 Hours **Full Marks : 60**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×8=24

(क) न जाने कितनी बाकी है, जो किसी तरह चुकने में ही नहीं आती। मैं कहती हूँ, तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देते? मर-मर कर काम करो, उपज हो तो बाकी दे दो, चलो छुट्टी हुई। बाकी चुकाने के लिए ही तो हमारा जनम हुआ है। पेट के लिए मजूरी करो।

(ख) 'स्त्री विचार कर रही थी–' मैं बाह्मणी हूँ, मुझे तो अपने धर्म-अतिथिदेव की उपासना-का पालन करना चाहिए। परन्तु यहाँ... नहीं-नहीं सब विधर्मी दया के पात्र नहीं। परन्तु यह दया तो नहीं... कर्तव्य करना है।

(ग) 'आज उनके मुख पर दुख की रेखा तक दिखाई न पड़ती थी। उन्हें केवल यह ख्याल था कि कहीं लोग दीन-दुखियों पर विश्वास करना न छोड़ दे। ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता है।

(घ) मनुष्य का हृदय बड़ा ममत्व प्रेमी है। कैसी ही उपयोगी और कितनी ही सुंदर वस्तु कयों न हो, जब तक मनुष्य उसको पराई समझता है, दब तक उससे प्रेम नहीं करता। किंतु भद्दी से भद्दी और बिल्कुल काम में न आनेवाली वस्तु को यदि मनुष्य अपनी समझता है, तो उससे प्रेम करता है।

(ङ) उसके मुख पर मौत की भीषण छाया नाच रही थी और वह जिन्दगी से जोंक की तरह चिपटा था--लेकिन जोंक वह था या जिन्दगी? वह जिन्दगी का खून चूस रहा था या जिन्दगी उसका? – मैं तय न कर पाया।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×12=36

(क) नई कहानी के आलोक में 'जिन्दगी और जोंक' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(ख) महानगरीय जीवन की खूबियों और खामियों को केन्द्र में रखकर लिखी गई कहानी 'खोई हुई दिशाएँ', की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'बादलों के घेरे' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'पूस की रात' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ङ) ममता की चारित्रिक विशेषताओं पर दृष्टिपात कीजिए।